उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2022-2023**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

विषय – संस्कृत   विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject : Sanskrit   **Subject Code : UGST**
कोर्स शीर्षक : कादम्बरी कथामुखम्   कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0 103
Course Title : सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण   **Course Code : UGST-103**
संस्कृत निबन्ध

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश का अनुवाद कीजिए– 6

i. यस्मिश्च राजनि जितजगति परिपालयति महीं चित्रकर्मसु वर्णसंकराः, रतेषु केशग्रहाः, काव्येषु दृढबन्धाः शास्त्रेषु चिन्ता, स्वप्नेषु विप्रलम्भाः, छत्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषु प्रकम्पाः, गीतेषु रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जालमार्गाः, शशिकृपाण, –कवचेषु कलङ्काः, रतिकलहेषु दूतसम्प्रेषणानि सार्यक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्। यस्य च परलोकाद् भयमन्तःपुरिकालकेषु भङ्गः, नूपुरेषु मुखरता, विवाहेषु करग्रहणमनवरतमखाग्नि धूमेनाश्रूपातस्तुरङ्गेषु कशाभिघातः, मकरध्वजे चापध्वनिरभूत्।

अथवा

ii. आसीदशेषनरपतिशिरः समभ्यर्चितशासनः पाकशासन इवापरः, चतुरूदधिमाला मेललाया भुवो भर्ता, प्रतापानुरागावनतसमस्तसामन्तचक्रः, चक्रवर्तिलक्ष्मणोपेतः, चक्रधर इव करकमलोपलक्ष्यमाणशङ्खचक्रलाच्छनः, हर इव जितमन्मथः गुह्म इवाप्रतिहतशक्तिः, कमलयोनिरिव विमानीकृतराजहंसमण्डल, जलधिरिव लक्ष्मीप्रसूतिः गंगाप्रवाह इव भगीरथपथप्रवृत्तदानाद्रीकृतकरः, कर्ता महाश्चर्याणाम्, अहर्ता क्रतूनाम् आइदर्श उर्वशास्त्राणाम्

उत्पत्तिः कलानाम्, कुलभवनम् गुणानाम् आगमः काव्यामृतरसानाम्, उदयशैलो मित्रमण्डस्य, उत्पातकेतुरहितजनस्य प्रवर्तयिता गोष्ठीबन्धानाम्, आश्रयो रसिकानाम्, प्रत्योदशो धनुष्मताम्, धौरेयः साहसिकानाम् अग्रणीर्विदग्धानाम् वैनतेय इव विनतानन्दजननः वैन्य इव चापकोटिसमुत्सारितारातिकुलाचलो राजा शूद्रको नाम।

प्रश्न–2 कादम्बरी एक कथा है, सिद्ध कीजिए। 6

प्रश्न–3 चाण्डाल कन्या का चरित्र–चित्रण कीजिए। 6

अथवा

शूद्रक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 अधोलिखित सूत्रों का उल्लेख कीजिए। 2

i. क) संहिता

ख) अनुनासिक

अथवा

ii. क) पद

ख) इत्

प्रश्न–5 अधोलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 2

क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

ख) अकथितं च

ग) येनागविकारः

प्रश्न–6 निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो का सूत्रोल्लेखपूर्वक विभक्ति का निर्देश कीजिए : 2

i. क) **तण्डुलान्** ओदेनं पचति।

ख) **क्रोशं** कुटिला नदी।

अथवा

ii. क) अक्ष्णा **काणः**

ख) हरये **नमः**।

प्रश्न–7 कादम्बरी कथामुखम् के रचयिता हैं – 2

i. क) बाणभट्ट ख) माघ ग) हर्ष घ) कालिदास

ii. नमः, स्वस्ति, स्वाहा, स्वधा, अलं तथा वषट् के योग में विभक्ति होती है –

क) द्वितीया ख) चतुर्थी ग) सप्तमी घ) तृतीया

प्रश्न–8 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखें। 2

गंगा, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, पुस्तकालयः, सत्संगति

प्रश्न–9 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखें। 2

भारतीयासंस्कृति, महाकविकालिदासः , अनुशासनम्, सदाचारः

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2022-2023**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit
कोर्स शीर्षक : वेद , कठोपनिषद् , अनुवाद
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST
कोर्स कोड : यू0जी0एस0टी0–104
Course Code : UGST-104

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए।

क) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्। 6
स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठदृशाड.गुलम्।।

ख) प्रतद्विषणुं स्तवते व्रीयणे मृगो न भीमः कुचरो गिरिष्ठाः।
यस्योरूषु त्रिषु विक्रमंणेधिक्षियन्ति भुवनानि विश्वा।

ग) आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतोऽदब्धासो अपरीतास उदिभदः।
देवा नो यथा सदभिद्वृधे असन्नप्रायुवो रक्षितारो दिवेदिवे।।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्हीं एक मंत्र की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। 6

क) शान्तसंकल्पः सुमना यथा स्याद्वीतमन्युगोतमो माभि मृत्यो
त्वप्रत्सृष्टं माभिवेदैत्प्रतीत एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे।

ख) स्वर्गे लोके न भयं किञ्चनारित
न तत्र त्वं जरया बिभेति।
उभे तीर्त्वाऽशनाया पिपासे
शोकातिगो मोदते स्वर्गलोके।।

ग) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं

वरस्तु में वरणीयः स एव।।

प्रश्न–3 विष्णु सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 6

Section – B

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 किन्हीं चार पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखें – 2
शम्बरं, रजन्त्म्, तर्पणीयः, उरुगाय,

प्रश्न–5 वेदांग किसे कहते हैं? वेदांगो पर संक्षिप्त प्रकाश डालें। 2

प्रश्न–6 कठोपनिषद् के महत्त्व पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–7 प्रतिशाख्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

प्रश्न–8 किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 4

क) प्रयाग के चारों ओर वन हैं।
ख) राम पिता के साथ गाँव जाता है।
ग) हमलोग रोज साथ में विद्यालय जाते है और गेंद खेलते हैं।
घ) आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।
ड.) ब्राह्मण को प्रतिदिन दान देना चाहिए।
च) हिमालय भारतवर्ष के उत्तर की ओर स्थित है।
छ) सड़क के किनारे वृक्षों से पत्ते गिर रहे हैं।
ज) हमें प्रतिदिन गुरुजनों को प्रणाम करना चाहिए।